RAJYA SABHA

Monday, the 23rd *August,* 2004/1 *Bhadrapada,* 1926 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

प्रो. राम देव भंडारी : सभापति महोदय,पूर्व केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री...(व्यवधान)...
श्री सभापति : एक मिनट बैठिए तो सही। (व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सभापति महोदय,वीर सावकर...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सभापति महोदय ...(व्यवधान)...

प्रो.राम देव भंडारी : यह बात पूर्व प्रधान मंत्री और पूर्व उप प्रधानमंत्री की नॉलेज में थी। ...(व्यवधान)... मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार सीबीआई से जांच करवाए ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट ...(व्यवधान)... आप एक मिनट मुझे सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट सुन तो लीजिए...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि : महोदय, उड़ीसा का एक किस्सा बताना चाहता हूं। ...(व्यवधान)... उड़ीसा में ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : वह ठीक है, एक मिनट सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट रुकिए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए, बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

प्रो.राम देव भंडारी : आप लोगों ने क्या किया था? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : माननीय सदस्यगण, अब तक हाऊस की कार्यवाही चल रही थी, इस समय क्वेश्चन ऑवर है...(व्यवधान)... एक मिनट ...एक मिनट...(व्यवधान)...बैठिए तो सही,
Please take your seats...*(Interruptions).* Please take your

Seats... (Interruptions). आप बैठिए, मैं कह रहा हूं न। ...(व्यवधान)... मिस्टर निरुपम, मैं इतना कह रहा हूं... आप बैठ जाइए, मैं बोल रहा हूं। ...(व्यवधान)... आप बैठिए तो सही, आप बैठिए... बैठिए। मैं इतना निवेदन कर रहा हूं कि अब तक हाऊस में इस प्रकार की स्थिति बनती रही है लेकिन क्वेश्चन ऑवर चलने दिया गया है। क्वेश्चन ऑवर के बारे में मैं ही नहीं कहता, आपने पार्लियामेंट की 50वीं वर्षगांठ पर दो बातों के लिए निर्णय किया था कि क्वेश्चन ऑवर सस्पेंड नहीं होगा और मैम्बर्स हाऊस के वैल में नहीं आएंगे। मैं समझता हूं कि ये दोनों बातें अगर आप...(व्यवधान)... एक मिनट ...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सर, देश में संविधान की हत्या हो रही हो और राष्ट्रपुरुषों का अपमान हो रहा हो और हम ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट... एक मिनट में मै कह देता हूं....(व्यवधान)... एक मिनट आप बैठिए, एक मिनट....आप बैठ जाइए...(व्यवधान)... मै ऐसा मानता हूं कि सत्ता पक्ष को ज्यादा गंभीरता से कोई मसला उठाना चाहिए, सत्ता पक्ष को मामला बहुत ही गंभीरता से उठाना चाहिए।....(व्यवधान)... विपक्ष कोई मामला उठाता है तो उसमें और सत्ता पक्ष जो मामला उठाता है, उसमें कुछ अंतर होना चाहिए। आपका उत्तरदायित्व है, इस हाऊस को चलाने का आपका उत्तरदायित्व है। अगर इस प्रकार के कोई विवादास्पद मामले आते है, उनका निपटारा करने का आपका उत्तरदायित्व है। कम से कम आप सत्ता पक्ष के लोग पम्फ्लैट्स लेकर खड़े हो जाए, तो मेरी क्या हालत होगी? ....(व्यवधान) ...

श्री ए.स.एस. अहलुवालिया: विवाद तो वे खडा कर रहे है ...(व्यवधान) ...

श्री सभापति: ऐसा नही है कि वे कर रहे है और वे कर रहे है, इसलिए आप भी करें। यह मै नही मानता कि विपक्ष जो कर रहा है, वह आपको भी करना चाहिए। मै समझता हूं विपक्ष करे
या नही करे, कोई दूसरा मैम्बर उठाए या नही उठाए, सत्ता पक्ष का अपना उत्तरदायित्व है और उस उत्तरदायित्व का निर्वहन करना चाहिए। यह हाऊस नही चलेगा, अगर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों यह निर्णय कर लें कि हाऊस नही चलने देना तो मेरे पास कोई हथियार नही है, सिवाय हाऊस ऐडजार्न करने के। अगर आप लोग यही चाहते है कि हाऊस ऐडजॉर्न किया जाए तो मेरा तो नुकसान नही होगा। ...(व्यवधान) ... लेकिन एक मिनट सुन लीजिए, इस पार्लियामेंट की प्रतिष्ठा दिन-प्रतिदिन गिरेगी और इसके लिए मै जिम्मेदार नही हूं, पूरा हाऊस जिम्मेदार होगा। ...(व्यवधान)..

श्री संजय निरुपम : चेयरमैंन साहब, वीर सावरकर के मुद्दे पर पूरे सदन में स्गरे सदस्यों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की थी, इसके बावजूद सरकार अपनी मंशा व्यक्त नही कर रही है।...(व्यवधान)..

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सर, क्वेश्चन ऑवर की सैक्टिटी तो तब है जब संविधान के अनुसार ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोल लीजिए... आप क्वेश्चन ऑवर के बाद बोल लीजिएगा जितना बोलना है...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: यह क्या सैक्टिटी है सर? ....(व्यवधान)....
श्री सभापति: क्वेश्चन ऑवर के बाद में बोल लीजिए, क्या फर्क पड़ता है इससे? ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: चेयरमैंन सर, हमारी भी ऐसी भावना है कि हाऊस चले लेकिन पिछले एक हफ्ते से जिस विषय पर सरकार अपनी मंशा स्पष्ट नही कर रही है ..(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया; सत्ता पक्ष कोई भी बात खडी करेगा?....(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: इसको बरदाश्त नही किया जा सकता। ....(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी: सर, सत्ता पक्ष न उठाए और ये लोग बोलते रहें? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपको यही बातें उठाने के लिए अगर क्वेश्चन ऑवर के बाद में मै समय दे दूं तो क्या कोई आपत्ति है? ....(व्यवधान)... क्वेश्चन ऑवर के बाद में यही मामले उठाने के लिए मैं आपको अनुमाति दे दूं तो क्या कोई आपत्ति है? ....(व्यवधान).... क्वेश्चन ऑवर चलने दीजिए। ....(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: क्वेश्चन ऑवर की क्या सैक्टिटी है? ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, क्या हो रहा है कि पिछले एक हफ्ते से हम इस मुद्दे को यहां उठाते रहे है लेकिन सरकार ने अपनी मंशा व्यक्त नही की। हमारी भी इच्छा है कि प्रश्न-काल चलना चाहिए, हमारी भी ऐसी इच्छा है, लेकिन सरकार को अपनी पूरी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। सरकार का भी उत्तरदायित्व बनता है। क्रांतिकारी पुरुषों का अपमान होता रहेगा और हम चुपचाप बैठे रहेंगे, यह तो बरदाश्त नही किया जा सकता है चेयरमैंन साहब। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि सरकार को आप निर्देश दें कि स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के संदर्भ में मणि शंकर अय्यर ने जो बयान दिया, वह बयान वापस लिया जाए और ....(व्यवधान)....

श्री एस.एस. अहलुवालिया: वहां पर ऐफिडेविट फाइल करके ....(व्यवधान)....

श्री सभापति: एक बात आप बता दें ....(व्यवधान)... आप यह बता दें कि क्या मै सरकार को आदेश दे सकता हूं?....(व्यवधान)....

श्री संजय निरुपम: चेयरमैंन साहब, बिल्कुल ....(व्यवधान)....

श्री सभापति : बता दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: आप सरकार को निर्देश दे सकते है ...(व्यवधान)...
श्री एस.एस. अहलुवालिया: सर, इस तरह से बातें करते रहे है ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी: सर यह रिकार्ड पर नही जाना चाहिए ...(व्यवधान)... ये आपकी बिना अनुमति के बोल रहे है। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: वीर सावरकर का अपमान हुआ है। ...(व्यवधान)... यह रिकार्ड पर जाना ही चाहिए। ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी: ये बिना परमिशन के बोल रहे है। ...(व्यवधान)... यह रिकार्ड पर नही जाना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: ये वीर सावरकर का अपमान कर रहे है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: संदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at eleven minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at two of the clock

DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Balika Samridhi Yojana

*381. SHRI DWIJENDRA NATH SHARMAH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the aims and objectives of the Balika Samridhi Yojana; and

(b) the details of the amount allocated and released to Assam under this scheme during the last three years, year-wise and district-wise?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) Scheme called 'Balika Samridhi Yojana' a 100%